



बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 29

26 आषाढ़ 1941 (श0)
पटना, बुधवार, —
17 जुलाई 2019 (ई0)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1-नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	भाग-5-बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-क-स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	भाग-7-संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।
भाग-1-ख-मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	भाग-8-भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।
भाग-1-ग-शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	भाग-9-विज्ञापन
भाग-2-बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	भाग-9-क-वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं
भाग-3-भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	भाग-9-ख-निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।
भाग-4-बिहार अधिनियम	पुरक
	पुरक-क
	30-30
	31-39

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।

विधि विभाग

अधिसूचनाएं

16 अप्रैल 2019

एसओ 324, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम 1952 (1952 का 53) (समय-समय पर यथा संशोधित) की धारा 3 सह-पठित नोटरीज नियमावली, 1956 (समय-समय पर यथा संशोधित) के नियम 8 के उप नियम (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्य सरकार श्री **महेन्द्र दास**, अधिवक्ता, दरभंगा को उक्त अधिनियम के अधीन अगले पाँच वर्षों के लिए नोटरी नियुक्त करती है, जो इस रूप में दरभंगा जिला के लिए दरभंगा जिला में कार्य करेंगे।

(सं० सं०-ए०/नोट-206/2018/2946/जे०)

बिहार के राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव, बिहार,
सक्षम प्राधिकार।

16 अप्रैल 2019

एसओ 324, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं० सं०-ए०/नोट-206/2018/2946/जे०)

बिहार के राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 324 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by Section-3 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) (As Amended from time to time) read with sub-rule (4) of rule 8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended from time to time) the State Government of Bihar is pleased to appoint Shri Mahendra Das Advocate Darbhanga a notary under the said Act who will act as such, in Darbhanga district for the district of Darbhanga for the next five years.

(File no. -A/Not-206/2018/2946/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

29 मार्च 2019

एसओ 325, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-1191/जे०, दिनांक-12.03.92 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री **उदय रूखैयार**, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज

पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-12.03.2016 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री उदय रूखैयार	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, गया	12.03.92	बी0एस0सी0 एल0एल0बी	गया जिला	

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-32/90/2643/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

29 मार्च 2019

एस0ओ0 325, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/ए0बी0-32/90/2643/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 29th March 2019

S.O. 325 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Uday Rukhaiyar** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **1191/J dated 12.03.92** to practice as notary again for the next five year from **12.03.2016**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Uday Rukhaiyar	Advocate Civil Court Gaya	12.03.92	B.Sc. L.L.B.	Gaya District	

(File no. -A/A.B.-32/90/2643/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

28 मई 2019

एस0ओ0 326, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और

नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-5001/जे0, दिनांक-14.10.2008 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री उदय कुमार सिन्हा, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-14.10.2018 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री उदय कुमार सिन्हा	अधिवक्ता, -सह-नोटरी, व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद	14.10.2008	एम०ए० एल०एल०बी०	औरंगाबाद जिला	

(सं० सं०-ए०/नोट-डी०-07/2003/3825/जे०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

28 मई 2019

एस०ओ० 326, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं० सं०-ए०/नोट-डी०-07/2003/3825/जे०)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 28th May 2019

S.O. 326 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Uday Kumar Sinha** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. 5001/J dated 14.10.2008 to practice as notary again for the next five year from 14.10.2018.

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Uday Kumar Sinha	Advocate Cum Notary Civil Court, Aurangabad	14.10.2008	M.A L.L.B	Aurangabad District	

(File no. -A/Not-D-07/2003/3825./J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

19 मार्च 2019

एसओ 327, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-7346/जे0, दिनांक-04.10.12 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री विष्णुदेव मंडल, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-04.10.17 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्त
1	2	3	4	5	6
श्री विष्णुदेव मंडल	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, सहरसा	04.10.12	बी0ए0 एल0एल0बी	सहरसा जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-128/04/2304/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

19 मार्च 2019

एसओ 327, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-128/04/2304/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 19th March 2019

S.O. 327 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Bishnudeo Mandal** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. 7346/J dated 04.10.12 to practice as notary again for the next five year from 04.10.17

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Bishnudeo Mandal	Advocate-cum-Notary Civil Court Saharsa	04.10.12	B.A. L.L.B.	Saharsa Distt.-	

(File no. -A/Not-128/04/2304/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

29 मार्च 2019

एस0ओ0 328, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-7346/जे0, दिनांक-04.10.12 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री ओम प्रकाश ठाकुर, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-04.10.17 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्त
1	2	3	4	5	6
श्री ओम प्रकाश ठाकुर	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, सहरसा	04.10.12	एम0एस0सी0 एल0एल0बी	सहरसा जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-112/2003/2646/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

29 मार्च 2019

एस0ओ0 328, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-112/2003/2646/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 29th March 2019

S.O. 328 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Om Prakash Thakur** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. 7346J dated 04.10.12 to practice as notary again for the next five year from 04.10.17

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Om Prakash Thakur	Advocate-cum-Notary Civil Court Saharsa	04.10.12	M.Sc. L.L.B.	Saharsa Distt.-	

(File no. -A/Not-112/2003/2646/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

29 मार्च 2019

एस0ओ0 329, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-1276/जे0, दिनांक-19.04.03 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री अमरेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-19.04.18 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री अमरेन्द्र कुमार त्रिवेदी	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, सहरसा	19.04.03	बी0ए0 एल0एल0बी	सहरसा जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-97/98/2645/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

29 मार्च 2019

एस0ओ0 329, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-97/98/2645/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 29th March 2019

S.O. 329 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Amrendra Kumar Teivedi** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **1276J** dated **19.04.03** to practice as notary again for the next five year from **19.04.18**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Amrendra Kumar Teivedi	Advocate-cum-Notary Civil Court Saharsa	19.04.03	B.A. L.L.B.	Saharsa Distt.-	

(File no. -A/Not-97/98/2645/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

29 मार्च 2019

एस0ओ0 330, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3580/जे0, दिनांक-01.11.2002 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री रमेश कुमार सिंह, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-01.11.2017 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री रमेश कुमार सिंह	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद	01.11.2002	बी0कॉम0 एल0एल0बी	औरंगाबाद जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-95/2000/2644/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

29 मार्च 2019

एस0ओ0 330, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-95/2000/2644/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 29th March 2019

S.O. 330 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Ramesh Kumar Singh** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **3580/J** dated **01.11.2002** to practice as notary again for the next five year from **01.11.2017**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Ramesh Kumar Singh	Advocate-cum-Notary Civil Court Aurangabad	01.11.2002	B.Com. L.L.B.	Aurangabad Distt.-	

(File no. -A/Not-95/2000/2644/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 331, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3167/जे0, दिनांक-10.06.99 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री शिवाधार राय, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-10.06.2017 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री शिवाधार राय	अधिवक्ता-सह-नोटरी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय, बिक्रमगंज, रोहतास	10.06.1999	बी0एल0	रोहतास जिलान्तर्गत बिक्रमगंज अनुमंडल	

(सं0 सं0-ए0/नोट-57/94/2944/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 331, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-57/94/2944/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 331 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Shiwardhar Roy** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **3167/J** dated **10.06.99** to practice as notary again for the next five year from **10.06.2012**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Shiwardhar Roy	Advocate-cum-Notary Sub-divisional Civil Court Bikramganj, Rohtas	10.06.1999	B.L.	Bikramganj Sub-division Under Rohtas District	

(File no. -A/Not-57/94/2944/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रील 2019

एस0ओ0 332, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-428/जे0, दिनांक-01.02.2002 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, **श्री इन्द्रदेव सिंह, अधिवक्ता**, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-01.02.17 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री इन्द्रदेव सिंह	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, जमुई	01.02.2002	बी0ए0 एल0एल0बी	जमुई जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-43/98/2942/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रील 2019

एस0ओ0 332, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-43/98/2942/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।*The 16th April 2019*

S.O. 332 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Indra Deo Singh** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **428/J dated 01.02.2002** to practice as notary again for the next five year from **01.02.2017**.

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Indra Deo Singh	Advocate-cum-Notary Civil Court Jamui	01.02.2002	B.A. L.L.B.	Jamui Distt.-	

(File no. -A/Not-43/98/2942/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

6 मई 2019

एस0ओ0 333, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3647/जे0, दिनांक-26.09.2000 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री बिजेन्द्र प्रसाद सिंह, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार व्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-26.09.2018 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री बिजेन्द्र प्रसाद सिंह	अधिवक्ता-सह-नोटरी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय, डेहरी, रोहतास	26.09.2000	बी0एस0सी0 एल0एल0बी0	रोहतास जिलान्तर्गत डेहरी अनुमंडल	

(सं0 सं0-ए0/नोट-39/97/3311/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

6 मई 2019

एस0ओ0 333, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-39/97/3311/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 6th May 2019

S.O. 333 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Bijendra Prasad Singh** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **3647/J** dated **26.09.2000** to practice as notary again for the next five year from **26.09.2018**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Bijendra Prasad Singh	Advocate-cum-Notary Divisional Civil Court Dehri, Rohtas	26.09.2000	B.Sc. L.L.B.	Dehri Subdivision Under Rohtas District	

(File no. -A/Not-39/97/3311/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

15 मार्च 2019

एस0ओ0 334, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-4064/जे0, दिनांक-17.09.2003 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री शशिकान्त झा, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-17.09.2018 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री शशिकान्त झा	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, पूर्णियाँ	17.09.2003	एम0ए0 एल0एल0बी	पूर्णियाँ जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-26/2001/2221/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

15 मार्च 2019

एस0ओ0 334, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-26/2001/2221/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 15th March 2019

S.O. 334 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Shashi Kant Jha** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **4064/J** dated **17.09.2003** to practice as notary again for the next five year from **17.09.2018**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Shashi Kant Jha	Advocate-cum-Notary Civil Court Purnia	17.09.2003	M.A. L.L.B.	Purnia Distt.-	

(File no. -A/Not-26/2001/2221/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रैल 2019

एसओ 335, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-7285/जे0, दिनांक-03.10.12 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री उमेश कुमार सिन्हा, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-03.10.17 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री उमेश कुमार सिन्हा	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, मुजफ्फरपुर	03.10.12	बी0ए0 एल0एल0बी	मुजफ्फरपुर जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-21/2007/2939/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रैल 2019

एसओ 335, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-21/2007/2939/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 335 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Umesh Kumar Sinha** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **7285/J** dated **03.10.12** to practice as notary again for the next five year from **03.10.17**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Umesh Kumar Sinha	Advocate-cum-Notary Civil Court Muzaffarpur	03.10.12	B.A. L.L.B.	Muzaffarpur Distt.-	

(File no. -A/Not-21/2007/2939/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

19 मार्च 2019

एस0ओ0 336, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-701/जे0, दिनांक-03.03.2003 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री रंजीत कुमार श्रीवास्तव, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-03.03.2018 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री रंजीत कुमार श्रीवास्तव	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण	03.03.2003	बी0ए0 एल0एल0बी	पूर्वी चम्पारण (मोतिहारी) जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-08/2001/2305/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

19 मार्च 2019

एस0ओ0 336, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-08/2001/2305/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 19th March 2019

S.O. 336 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Ranjit Kumar Srivastava** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **701/J dated 03.03.2003** to practice as notary again for the next five year from **03.03.2018**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Ranjit Kumar Srivastava	Advocate-cum-Notary Civil Court Motihari	03.03.2003	B.A. L.L.B.	East Champaran (Motihari) Distt.-	

(File no. -A/Not-08/2001/2305/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 337, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-318/जे0, दिनांक-27.01.2001 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री शिवनन्दन प्रसाद शर्मा, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-27.01.19 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री शिवनन्दन प्रसाद शर्मा	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, शेखपुरा	27.01.2001	बी0एस0सी0 एल0एल0बी	शेखपुरा जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट-08/98/2940/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 337, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट-08/98/2940/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 337 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Sheonandan Pd. Sharma** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **318/J dated 27.01.01** to practice as notary again for the next five year from **27.01.19**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Sheonandan Prasad Sharma	Advocate-cum-Notary Civil Court Shekhpora	27.01.2001	B.Sc. L.L.B.	Shekhpora Distt.-	

(File no. -A/Not-08/98/2940/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 338, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-443/जे0, दिनांक-10.02.04 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री सुधीर कुमार यादव, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-10.02.19 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री सुधीर कुमार यादव	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, लखीसराय	10.02.2004	बी0ए0 एल0एल0बी	लखीसराय जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-88/02/2941/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 338, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-88/02/2941/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 338 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Sudhir Kumar Yadav** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. 443/J dated 10.02.04 to practice as notary again for the next five year from 10.02.19

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Sudhir Kumar Yadav	Advocate-cum-Notary Civil Court Lakhisarai	10.02.04	B.A. L.L.B.	Lakhisarai Distt.-	

(File no. -A/Not(S)-88/02/2941/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

28 मई 2019

एसओ 339, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-3565/जे0, दिनांक-11.08.2003 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री मिथिलेश कुमार सिंह, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-11.08.18 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय एवं व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री मिथिलेश कुमार सिंह	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद	11.08.2003	बी0एस0सी0 एल0एल0बी	औरंगाबाद जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-55/01/3827/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

28 मई 2019

एसओ 339, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-55/01/3827/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 28th May 2019

S.O. 339 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Sri Mithilesh Kumar Singh** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. 3565/J dated 11.08.03 to practice as notary again for the next five year from 11.08.18

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Sri Mithilesh Kumar Singh	Advocate, Civil Court Aurangabad	11.08.03	B.Sc. L.L.B.	Aurangabad District	

(File no. -A/Not(S)-55/2001/3827/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 340, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-4200/जे0, दिनांक-26.09.03 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री रामवृक्ष मेहता, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-26.09.18 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री रामवृक्ष मेहता	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, लखीसराय	26.09.03	एम0एस0सी0 एल0एल0बी	लखीसराय जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-45/01/2943/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रैल 2019

एस0ओ0 340, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-45/01/2943/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 340 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Ram Briksh Mehta** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **4200/J** dated **26.09.03** to practice as notary again for the next five year from **26.09.18**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Ram Briksh Mehta	Advocate-cum-Notary Civil Court Lakhisarai	26.09.03	M.Sc. L.L.B.	Lakhisarai Distt.-	

(File no. -A/Not(S)-45/01/2943/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

28 मई 2019

एस0ओ0 341, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-7296/जे0, दिनांक-03.10.12 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री अर्जुन प्रसाद, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-03.10.17 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री अर्जुन प्रसाद	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, नवादा	03.10.12	बी0ए0 एल0एल0बी	नवादा जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-42/08/3826/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

28 मई 2019

एस0ओ0 341, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-42/08/3826/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 28th May 2019

S.O. 341 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Arjun Prasad** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No7296/J dated 03-10-12 to practice as notary again for the next five year from 03.10.17

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Arjun Prasad	Advocate-cum-Notary Civil Court Nawada	03.10.12	B.A L.L.B.	Nawada Distt.-	

(File no. -A/Not(S)-42/08/3826/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

16 अप्रैल 2019

एसओ 342, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-5816/जे0, दिनांक-01.12.2008 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री प्रेम कुमार, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-01.12.2018 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री प्रेम कुमार	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद	01.12.2008	बी0कॉम एल0एल0बी	औरंगाबाद जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-14/03/2938/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

16 अप्रैल 2019

एसओ 342, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट(एस)-14/03/2938/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 16th April 2019

S.O. 342 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Prem Kumar** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **5816/J dated 01.12.08** to practice as notary again for the next five year from **01.12.2018**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Prem Kumar	Advocate-cum-Notary Civil Court Aurangabad	01.12.2008	B.Com. L.L.B.	Aurangabad Distt.-	

(File no. -A/Not(S)-14/03/2938/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

6 मई 2019

एस0ओ0 343, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-7641/जे0, दिनांक-15.10.2012 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री सत्येन्द्र कुमार तिवारी, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-15.10.2017 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री सत्येन्द्र कुमार तिवारी	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, सीतामढ़ी	15.10.2012	बी0ए0 एल0एल0बी	सीतामढ़ी जिला	

2. निगरानी कांड संख्या-114/17 तथा विशेष कांड संख्या-48/2017 में श्री तिवारी के विरुद्ध संस्थित मामलों के निर्णय से यह व्यवसाय प्रमाण पत्र प्रभावित हो सकेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट (एस)-12/2006/3310/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

6 मई 2019

एस0ओ0 343, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट (एस)-12/2006/3310/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 6th May 2019

S.O. 343 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Satendra Kumar Tiwari** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. **7641/J** dated **15.10.2012** to practice as notary again for the next five year from **15.10.2017**

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Satendra Kumar Tiwari	Advocate-cum-Notary Civil Court Sitamarhi	15.10.2012	B.A. L.L.B.	Sitamarhi Distt.-	

2. This Certificate of practice may be affected by the decision of Vigilance Case Number-114/17 and Special Case Number-48/2007 instituted against Shri Tiwari.

(File no. -A/Not(S)-12/2006/3310/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

28 मई 2019

एस0ओ0 344, दिनांक 17 जुलाई 2019--नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-5 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार राज्यपाल, नोटरीज अधिनियम, 1952 (53 of 1952) की धारा-3 और नोटरीज नियमावली, 1956 (यथा संशोधित) के नियम-8 के उप नियम (4) के अधीन विधि विभाग की अधिसूचना संख्या-5015/जे0, दिनांक-14.10.2008 के द्वारा नियुक्त लेख्य प्रमाणक, श्री शारदानंद उपाध्याय, अधिवक्ता, जिनका नोटरीज पंजी के अनुसार ब्योरा निम्नलिखित है, को दिनांक-14.10.2018 से पुनः अगामी पाँच वर्ष के लिए लेख्य प्रमाणक के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

लेख्य प्रमाणक के नाम	आवासीय / व्यवसायिक पता	लेख्य प्रमाणक पंजी में नाम अंकित होने की तिथि ।	अहर्ता	जिस क्षेत्र में व्यवसाय करने के लिए प्राधिकृत किया गया है ।	अभियुक्ति
1	2	3	4	5	6
श्री शारदानंद उपाध्याय	अधिवक्ता-सह-नोटरी व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद	14.10.08	बी0ए0 एल0एल0बी	औरंगाबाद जिला	

(सं0 सं0-ए0/नोट(डी)-05/03/3828/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

28 मई 2019

एस0ओ0 344, दिनांक 17 जुलाई 2019 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकारी से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद-348 के खंड (3) के अधीन अंग्रेजी भाषा में उसका प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 सं0-ए0/नोट(डी)-05/03/3828/जे0)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

सुनील कुमार, प्रभारी संयुक्त सचिव।

The 28th May 2019

S.O. 344 dated the 17th July 2019--In exercise of the powers conferred by section-5(2) of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952), the Governor of Bihar is pleased to authorise **Shri Sharda Nand Upadhyay** and whose detail according to Notary Register is given below, the Notary appointed under section-3 of the Notaries, Act, 1952 (1953 of 1952) and sub-rule (4) of Rule-8 of the Notaries Rules, 1956 (As Amended) by the State Government in Law Department Notification No. 5015/J dated 14.10.08 to practice as notary again for the next five year from 14.10.2018

Name of Notary	Residential/ professional address	Date of which the name of the Notary has been entered in the Register.	Qualification	Area in which Notary to practice	Remarks
1	2	3	4	5	6
Shri Sharda Nand Upadhyay	Advocate-cum-Notary Civil Court Aurangabad	14.10.08	B.A. L.L.B	Aurangabad Distt.-	

(File no. -A/Not(D)-05/03/3828/J)

By order of the Governor of Bihar,

Sunil Kumar,

Joint Secretary in charge to the Government of Bihar,
(Competent Authority).

निर्वाचन विभाग

अधिसूचनाएं

4 जुलाई 2019

सं० ई२-2-45/2018- 57—सुश्री अर्चना कुमारी, अवर निर्वाचन पदाधिकारी (परीक्ष्यमान), निर्वाचन विभाग, बिहार, पटना का बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित 60वीं से 62वीं संयुक्त सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर गृह विभाग (आरक्षी शाखा), बिहार की अधिसूचना सं०-2/सी०1-20-02/2019 गृ०आ०-5088 दिनांक 27.06.2019 द्वारा बिहार पुलिस सेवा के अन्तर्गत परीक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक के पद पर औपबधिक रूप से नियुक्त किये जाने के फलस्वरूप उनके अभ्यावेदन दिनांक 28.06.2019 के क्रम में दिनांक 08.07.2019 के अपराह्न से उक्त पद पर योगदान करने हेतु विरमित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
आलोक कुमार, उप-सचिव।

11 जुलाई 2019

सं० ई२-1-43/2006-58—बिहार निर्वाचन सेवा के श्रीमती प्रियंका सिन्हा, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जहानाबाद को शिशु-देख भाल के निमित्त अवकाश पर जाने के उपरान्त कार्यहित में श्रीमती पूनम कुमारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, अरवल को उनके कार्यों के अतिरिक्त उप निर्वाचन पदाधिकारी, जहानाबाद के रूप में अगले आदेश तक प्रतिनियुक्त किया जाता है।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रत्नेश झा, संयुक्त सचिव।

परिवहन विभाग

अधिसूचना

8 जुलाई 2019

सं० 05/स्था०-146/2007/5278—विभागीय अधिसूचना सं०-3853, दिनांक-28.05.2019 द्वारा श्रीमती कुमारी पुनीता श्रीवास्तव, उप निदेशक, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर को अपने कार्यों के अतिरिक्त संयुक्त आयुक्त-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, मुजफ्फरपुर के कार्यों के निष्पादन हेतु उनकी वार्धक्य सेवानिवृत्ति की तिथि 30.06.2019 तक के लिए शक्ति प्रत्यायोजित की गई थी।

2. मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 213(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री अतुल कुमार वर्मा, अपर समाहर्ता, आपदा प्रबंधन, मुजफ्फरपुर को अपने कार्यों के अतिरिक्त संयुक्त आयुक्त-सह-सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार, मुजफ्फरपुर के कार्यों के निष्पादन हेतु अगले आदेश तक के लिए शक्ति प्रत्यायोजित की जाती है।

3. प्रस्ताव में माननीय मंत्री, परिवहन विभाग का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शैलेन्द्र नाथ, उप-सचिव।

गृह विभाग
अभियोजन निदेशालय
मुख्य सचिवालय, ब्लॉक-02, द्वितीय तल, पटना

अधिसूचना
24 जून 2019

सं० अ०नि० (01)01/2019/स्था०-1324—श्री शरद चन्द्र दूबे, अनुमंडल अभियोजन पदाधिकारी, से०ग्रे०/ अपर लोक अभियोजक, से०ग्रे०, जिला अभियोजन कार्यालय, सारण, छपरा द्वारा चिकित्सीय कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का अनुरोध किया गया।

श्री दूबे के अनुरोध पर सम्यक विचारोपरान्त दिनांक 30.06.2019 के प्रभाव से उनकी स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

इसमें सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश से,
प्रदीप कुमार, अपर सचिव।

गृह विभाग
(आरक्षी शाखा)

अधिसूचनाएं
28 जून 2019

सं० 9/पु०अ०-10-04/2018, गृ०आ०-5149—गृह विभाग (आरक्षी शाखा) के अन्तर्गत पुलिस मुख्यालय, बिहार, पटना के अधीन कार्यरत बिहार स्वास्थ्य सेवा के निम्नांकित 03 सामान्य चिकित्सा पदाधिकारियों को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में अंकित पुलिस अस्पताल/ए०टी०एस०/बिहार सैन्य पुलिस अस्पताल में पदस्थापित किया जाता है:-

क्र० सं०	चिकित्सक का नाम	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन
1	2	3	4
1.	डॉ० मधुरेन्द्र कुमार	पुलिस अस्पताल, सिवान	पुलिस अस्पताल, हाजीपुर
2.	डॉ० पुष्पराज आनंद	पुलिस अस्पताल, औरंगाबाद	बी०एम०पी०-14, पटना
3.	डॉ० मनोज कुमार	पुलिस अस्पताल, शिवहर	ए०टी०एस०, पटना

उपरोक्त सभी चिकित्सकों को निदेश दिया जाता है कि वे अपने नाम के सम्मुख स्तम्भ-4 में अंकित स्थान पर एक सप्ताह के अंदर योगदान देना सुनिश्चित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
ईश्वर चन्द्र सिन्हा, अपर सचिव।

8 मार्च 2019

सं० 2/पी०1-20-01/2016 गृ.आ.-2327—बिहार पुलिस सेवा के निम्नांकित पदाधिकारी को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उनके नाम के सामने स्तम्भ-4 में अंकित पद एवं स्थान पर पदस्थापित किया जाता है :-

क्र०	पदाधिकारियों का नाम	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन
1	2	3	4
1.	श्री पंकज कुमार शर्मा	अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर	पुलिस उपाधीक्षक, विशेष शाखा, बिहार, पटना।
2	श्री अतनु दत्ता	पुलिस उपाधीक्षक, बिहार सैन्य पुलिस-1, पटना।	अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सोनपुर।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव।

15 अप्रैल 2019

सं० 2/पी०-01-20-01/2016 गृ०आ०-3185—बिहार पुलिस सेवा के निम्नांकित पदाधिकारी को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उनके नाम के सामने स्तम्भ-4 में अंकित पद एवं स्थान पर पदस्थापित किया जाता है :-

क्र०	पदाधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन स्थान
1	2	3	4
1	श्री अमरकान्त चौबे	पुलिस उपाधीक्षक, विशेष कार्य बल, पटना बिहार	पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), मधेपुरा

विभागीय अधिसूचना सं०-1580 दिनांक 18.02.2019 के द्वारा श्री त्रिपुरारी सिंह, पुलिस उपाधीक्षक, अपराध अनुसंधान विभाग, पटना का पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), मधेपुरा के पद पर किये गये स्थानांतरण को रद्द किया जाता है।

उपर्युक्त स्थानांतरण/पदस्थापन में भारत निर्वाचन आयोग की सहमति प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव।

28 मई 2019

सं० 2/पी०-01-20-01/2016 गृ०आ०-4285—बिहार पुलिस सेवा के निम्नांकित पदाधिकारी को स्थानांतरित करते हुए अगले आदेश तक उनके नाम के सामने स्तम्भ-4 में अंकित पद एवं स्थान पर पदस्थापित किया जाता है :-

क्र० सं०	पदाधिकारियों का नाम	वर्तमान पदस्थापन	नव पदस्थापन
1	2	3	4
1.	श्री रत्न किशोर झा	अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बाढ़, पटना	पुलिस उपाधीक्षक, यातायात, भागलपुर
2	श्री सैयद अफसर हाशमी	पुलिस उपाधीक्षक, पदस्थापन की प्रतीक्षा में	पुलिस उपाधीक्षक, बिहार सैन्य पुलिस-15, बगहा

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
ईश्वर चन्द्र सिन्हा, संयुक्त सचिव।

9 जुलाई 2019

सं० 8/पी०-03-10-02/2019 गृ०आ०-5484—भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम सं०-49) की धारा 17 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार के राज्यपाल, प्रमादी मिलर से संबंधित कांडों के अनुसंधान हेतु गठित विशेष जाँच दल में नियोजित/पदस्थापित पुलिस निरीक्षकों को, तुरन्त के प्रभाव से, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (1988 का अधिनियम सं०-49) के विभिन्न धाराओं यथा धारा-7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14 एवं 15 के अधीन सभी दंडनीय अपराधों का, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी के आदेश के बिना, अन्वेषण करने तथा इस हेतु बिना अधिपत्र (वारंट) के गिरफ्तारी करने हेतु प्राधिकृत करते हैं।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
रंजन कुमार सिन्हा, अपर सचिव।

The 9th July 2019

No. 8/P3-10-02/2019 H.P.-5484--In exercise of the powers conferred by first proviso of section 17 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Act No-49 of 1988), the Governor of Bihar is pleased to authorized the Inspector of Police employed/posted for investigation in special investigation team constituted for investigation of cases related with Pramadi Milar, with immediate effect, to investigate all the offences punishable under sections 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14 and 15 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Act 49 of 1988), without the order of Magistrate of the first class and to make arrest therefore without a warrant.

By the order of the Governor of Bihar,
Ranjan Kumar Sinha, Additional Secretary.

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग

अधिसूचनाएं

3 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-02/2017-826—श्री रामसेवक सिंह, माननीय मंत्री, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री अखिलेश प्रसाद, पिता—श्री पारसनाथ प्रसाद, ग्राम—त्रिलोकपुर, पो०—जमसड़, थाना—उचकागाँव, जिला—गोपालगंज को दिनांक—02.06.2019 के प्रभाव से श्री रामसेवक सिंह, माननीय मंत्री, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।
3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

3 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-02/2017-825—श्री जय कुमार सिंह, माननीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री सलिल कुमार सिंह, पिता—स्व० नागेन्द्र नारायण सिंह, ग्राम—पो०—परसरमा, थाना—सुपौल, जिला—सुपौल को दिनांक—02.06.2019 के प्रभाव से श्री जय कुमार सिंह, माननीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।
3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

3 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-02/2017-824—श्री प्रमोद कुमार, माननीय मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री मनोज कुमार, पिता—श्री कपिलदेव प्रसाद, ग्राम—हरपुर राय, पो०—मुरारपुर, भाया—तुरकौलिया, थाना—हरिसिद्धि, जिला—पूर्वी चम्पारण को दिनांक—02.06.2019 के प्रभाव से श्री प्रमोद कुमार, माननीय मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।
3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

1 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-01/2017-821—श्री महेश्वर हजारी, माननीय मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री प्रभात चन्द्र, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक—1233/2011 को दिनांक—02.06.2019 के प्रभाव से श्री महेश्वर हजारी, माननीय मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।
3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

1 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-01/2017-820—श्री विनोद कुमार सिंह, माननीय मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री शैलेश कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक—1022/2011 को दिनांक—02.06.2019 के प्रभाव से श्री विनोद कुमार सिंह, माननीय मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

1 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-01/2017-819—श्री कृष्ण कुमार ऋषि, माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री सुनील कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-845/2011 को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री कृष्ण कुमार ऋषि, माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

1 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-01/2017-818—श्री प्रमोद कुमार, माननीय मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री अभिजीत कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-709/2011 को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री प्रमोद कुमार, माननीय मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

1 जुलाई 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-01/2017-817—श्री जय कुमार सिंह, माननीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री पूर्णेंद्र कुमार, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-859/2011 को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री जय कुमार सिंह, माननीय मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

20 जून 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-02/2017-813—श्री विनोद कुमार सिंह, माननीय मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री सुमित कुमार, पिता-श्री गुलाब चन्द मेहता, ग्राम-बड़ी बथना, पो०-सिरनियों, थाना-मनसाही, जिला-कटिहार को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री विनोद कुमार सिंह, माननीय मंत्री, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

20 जून 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-02/2017-814—श्री नरेन्द्र नारायण यादव, माननीय मंत्री, लघु जल संसाधन एवं विधि विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री पुलेन्दु कुमार, पिता-श्री महावीर प्रसाद यादव, ग्राम-डुमरैल,

पो0-पुरैनी, थाना-पुरैनी, जिला-मधेपुरा को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री नरेन्द्र नारायण यादव, माननीय मंत्री, लघु जल संसाधन एवं विधि विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

26 जून 2019

सं0 3/सी0 एस0/एम0/आ0स0-02/2017-812—श्री बृज किशोर बिंद, माननीय मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री रामाश्रय कुमार, पिता-स्व0 राम लगन चौहान, ग्राम-अपसढ़ बेलदरिया, पो0-अपसढ़, थाना-वारसलीगंज, जिला-नवादा को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री बृज किशोर बिंद, माननीय मंत्री, खान एवं भूतत्व विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

24 जून 2019

सं0 3/सी0 एस0/एम0/आ0स0-02/2017-804—श्री कृष्ण कुमार ऋषि, माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री अवनीन्द्र नाथ मिश्र, पिता-स्वर्गीय पुशपति नाथ मिश्र, जनशक्ति कॉलोनी, राजीव नगर-24, पटना को दिनांक-03.06.2019 के प्रभाव से श्री कृष्ण कुमार ऋषि, माननीय मंत्री, पर्यटन विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

24 जून 2019

सं0 3/सी0 एस0/एम0/आ0स0-02/2017-803—श्री अशोक चौधरी, माननीय मंत्री, भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री योगेन्द्र कुमार दत्त, पिता-स्व0 बालेश्वर शर्मा, 48/ए, नेहरू नगर, थाना-पाटलीपुत्रा, जिला-पटना को दिनांक-02.06.2019 के प्रभाव से श्री अशोक चौधरी, माननीय मंत्री, भवन निर्माण विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (वाह्य) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (वाह्य) के पद से हटाये जाते ही इनकी सेवा स्वतः समाप्त हो जाएगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

20 जून 2019

सं0 3/सी0 एस0/एम0/आ0स0-01/2017-801—श्री संजय कुमार झा, माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री जगदीश कुमार, बि0प्र0से0, कोटि क्रमांक-1105/2011, गृह जिला-मुंगेर, सम्प्रति विशेष कार्य पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना को दिनांक-10.06.2019 के प्रभाव से श्री संजय कुमार झा, माननीय मंत्री, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

20 जून 2019

सं० 3/सी० एस०/एम०/आ०स०-01/2017-800—श्री नरेन्द्र नारायण यादव, माननीय मंत्री, लघु जल संसाधन एवं विधि विभाग, बिहार, पटना की अनुशंसा के आलोक में श्री हेमन्त कुमार सिंह, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-958/2011 को दिनांक-10.06.2019 के प्रभाव से श्री नरेन्द्र नारायण यादव, माननीय मंत्री, लघु जल संसाधन एवं विधि विभाग, बिहार, पटना का आप्त सचिव (सरकारी) नियुक्त किया जाता है।

2. यह नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी है तथा किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती है।

3. माननीय मंत्री के पद त्यागने अथवा आप्त सचिव (सरकारी) के पद से हटाये जाने के पश्चात् वे तुरंत सीधे अपने प्रशासी विभाग में योगदान कर मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग को सूचित करेंगे।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
मिथिलेश कुमार, अपर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 17-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

भाग-9-ख

निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण
सूचनाएं इत्यादि।

सूचना

सं० 757—मै, अक्षय, पिता—श्री विजय कुमार सिन्हा, मो०— म.स. NY 7D, झुनझुन महल के पिछे, गर्दनीबाग, न्यू यारपुर, जिला—पटना 800001 शपथ पत्र सं० 9862 दिनांक 11.06.2019 के द्वारा अपने नाम के आगे सिन्हा जोड़कर सभी कार्य हेतु अक्षय सिन्हा के नाम से जाना जाऊँगा।

अक्षय।

No. 757--I, Akshay S/o Vijay Kumar Sinha, Mohalla- H.No. NY-7D, Behind Jhunjhun Mahal, Gardanibagh, New Yarpur, District- Patna -80001 (Bihar) I am adding "Sinha" in my name. Hence in future for all purposes I will be known as Akshay Sinha vide Affidavit No. 9862 Date 11.06.2019.

Akshay.

No. 758--I, Deepak Kumar Ram S/o Sushil Ram R/O Village+P.O.-Parghari, P.S.-Sabour Distt.-Bhagalpur-813210 declare vide Affidavit No. 66 dated 15.05.2019 that now I shall be known as Deepak Kumar for all future purposes.

Deepak Kumar Ram.

सं० 759—मैं, प्रभात किशोर, सुपुत्र—श्री लालमुनि प्रसाद, वर्तमान निवास — ए०-415 , ए० जी० कॉलोनी, पो०—आशियानानगर, थाना—शास्त्रीनगर, पटना—800025 (पैतृक निवास— ग्राम—सेवदह, थाना—हरनौत, जिला—नालन्दा) कार्यपालक मैजिस्ट्रेट, पटना सदर के समक्ष एफेडेवित सं०—10813, दिनांक—22.06.2019 के माध्यम से अपने पुत्र अस्मित का नाम/उपनाम परिवर्तित कर अस्मित आर्य किया हूँ। भविष्य में सभी प्रयोजनों, अभिलेखों, प्रमाण पत्रों आदि में मेरे पुत्र का नाम अस्मित आर्य के रूप में दर्ज किया जाएगा।

प्रभात किशोर।

No. 759--I, PRABHAT KISHORE, son of Sri Lal Muni Prasad, residing at A-415, A.G.Colony, P.O.-Ashiananagar, P.S.-Shastrinagar, Patna-800025 (Ancestral Address- Vill.-Seodah, P.S.-Harnaut, Dist-Nalanda), have changed the surname of my son "ASMIT", 14 years vide affidavit no.- 10813, dated- 22.06.2019 sworn before Executive Magistrate, Patna Sadar and he shall hereafter known as "ASMIT ARYA". In future, his name will be mentioned in all purposes, documents, certificates etc. as ASMIT ARYA.

PRABHAT KISHORE.

No. 775--I, AJIT Kumar, S/o Sri Sheo Kumar Prasad, R/o Mohalla B/90, P.C. Colony, Kankarbagh, Patna-20 declared Ashish is my son, I have added the title Bhardwaj after his name so now he will be known as Ashish Bhardwaj. Vide Affidavit No. 9866 dated 03.06.2019.

Ajit Kumar.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 17-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

बिहार गजट

का

पूरक (अ0)

प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

सं० 15/एम 1-233/2013—1452
शिक्षा विभाग

संकल्प

5 जुलाई 2019

विषय:—राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत चिकित्सकों को राज्य सरकार के चिकित्सकों की भाँति केन्द्रीय डायनेमिक ए०सी०पी० का लाभ हू-ब-हू प्रदान करने के संबंध में।

शिक्षा विभागीय संकल्प संख्या 1318 दिनांक 17.08.2016 द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत चिकित्सकों को राज्य सरकार के चिकित्सकों की भाँति डायनेमिक ए०सी०पी० की सुविधा प्रदान की गई है।

2. विश्वविद्यालय चिकित्सकों द्वारा केन्द्रीय डायनेमिक ए०सी०पी० का लाभ का प्रावधान हू-ब-हू लागू करने हेतु मांग की गई है।

3. राज्य के विश्वविद्यालयों के शिक्षक/शिक्षकेतर कर्मियों के वेतन पुनरीक्षण गठित समिति की अनुशंसा एवं विभागीय संकल्प संख्या 591 दिनांक 06.03.2019 की कंडिका 13(च) के द्वारा राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत चिकित्सकों को राज्य सरकार के चिकित्सकों की भाँति केन्द्रीय डायनेमिक ए०सी०पी० का लाभ हू-ब-हू देने का निर्णय लिया गया है।

4. उपरोक्त आलोक में राज्य के चिकित्सकों की भाँति विश्वविद्यालय के चिकित्सकों को केन्द्रीय डायनेमिक ए०सी०पी० की सुविधा निम्नवत् देय होगी :-

Si. No.	From	To	No. of years of Service required for promotion
1	PB 2, Grade Pay 4200/-	PB 3, Grade Pay 6600/-	4 years in PB 2, Grade Pay 4200/-
2	PB 3, Grade Pay 6600/-	PB 3, Grade Pay 7600/-	5 years in PB 3, Grade Pay 6600/- or 9 years in service.
3	PB 3, Grade Pay 7600/-	PB 4, Grade Pay 8700/-	4 years in PB 3, Grade Pay 7600/- or 13 years in service
4	PB 4, Grade Pay 8700/-	PB 4, Grade Pay 10000/-	7 years in PB 4, Grade Pay 8700/- or 20 years in service, including in PB 4, Grade Pay 8700/-

5. उपरोक्त प्रोन्नति/केन्द्रीय डायनेमिक ए०सी०पी० का वैचारिक लाभ राज्य सरकार के चिकित्सकों की भाँति दिनांक 29.10.2008 की तिथि से एवं इसका वित्तीय लाभ दिनांक 01.04.2017 की तिथि से प्रभावी होगा।

6. यह लाभ उन्हीं विश्वविद्यालय चिकित्सकों को देय होगा, जिनकी नियुक्ति विधिवत् रूप से सृजित पद पर विहित प्रक्रिया अपनाकर की गई है तथा वे नियमित रूप से अपने पद पर कार्यरत हैं तथा उन्हें राज्य सरकार के चिकित्सकों के समतुल्य योग्यता प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से
अरशद फिरोज, उप-सचिव।

सं० 15/एम 1-57/2016 (अंश)—1462

संकल्प

5 जुलाई 2019

विषय :-बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की मार्गदर्शिका में संशोधन की स्वीकृति के संबंध में।

राज्य सरकार सुशासन कार्यक्रम 2015-20 के अंतर्गत विकसित बिहार के 7 निश्चय में बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना 02 अक्टूबर 2016 से प्रारंभ है। विभागीय संकल्प संख्या-617, दिनांक-28.03.2018 के माध्यम से इस योजना के विभिन्न प्रावधानों में परिवर्तन किया गया।

2. राज्य सरकार के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि इस योजना के अन्तर्गत तकनीकी पाठ्यक्रमों में नामांकित आवेदकों के द्वारा माँग किये जाने की स्थिति में चार लाख रुपये की अधिसीमा के अन्तर्गत अधिकतम रु० 35,000/- (पैंतीस हजार) रुपये तक मात्र एक बार Laptop क्रय करने के लिए ऋण की स्वीकृति प्रदान की जाएगी तथा यह राशि आवेदकों के खाते में उपलब्ध करायी जाएगी। तदनुसार इस योजना की मार्गदर्शिका के अनुलग्नक-2 में वांछित परिवर्तन किया गया है। शिक्षा विभाग द्वारा आवश्यकतानुसार तकनीकी पाठ्यक्रम के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

3. पूर्व में निर्गत विभागीय संकल्प संख्या-617 दिनांक-28.03.2018 के कंडिका 03(1) में बिहार राज्य के बाहर के संस्थानों के संबंध में निम्नलिखित परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है

“राज्य के बाहर के सक्षम प्राधिकार से मान्यता प्राप्त गैर-सरकारी अथवा निजी शिक्षण संस्थानों में नामांकित या नामांकन हेतु चयनित मात्र वैसे अर्हता प्राप्त आवेदकों को इस योजना का लाभ प्राप्त होगा, जिनके संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) के द्वारा न्यूनतम Grade ‘A’ प्राप्त है अथवा संस्थान में संचालित कार्यक्रमों का National Board of Accreditation (NBA) के द्वारा Accreditation प्राप्त है अथवा केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्गत NIRF (National Institutional Ranking Framework) की रैंकिंग प्राप्त है।”

4. उपर्युक्त परिवर्तन संकल्प निर्गत की तिथि से मान्य होंगे।

आदेश —आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र में जन साधारण की सूचना हेतु अगले अंक में प्रकाशित किया जाए।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
गिरिवर दयाल सिंह, अपर सचिव।

सं० सी०आर०को०-104/2019-सा०प्र०/8530

सामान्य प्रशासन विभाग

संकल्प

26 जून 2019

विषय :-बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का SPARROW System के तहत पी०ए०आर० ई-फाइलिंग (PAR e-filing) हेतु प्रतिवेदक, समीक्षी एवं स्वीकरण पदाधिकारी के निर्धारण के संबंध में।

बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों के वार्षिक गोपनीय अभ्युक्ति/कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन अभिलेखन के संबंध में पूर्व में निर्गत कतिपय संकल्प/परिपत्रों के द्वारा उनके प्रतिवेदक, समीक्षी एवं स्वीकरण पदाधिकारी का निर्धारण किया गया है। इस संदर्भ में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग) का परिपत्र सं०-7444 दिनांक-30.04.1979, संकल्प सं०-14726 दिनांक-05.12.1986, संकल्प सं०-4561 दिनांक-22.05.1987, परिपत्र सं०-9090 दिनांक-28.06.2016, परिपत्र सं०-9017 दिनांक-21.07.2017 एवं परिपत्र सं०-7496 दिनांक-06.06.2018 संगत है। प्रायः यह देखा जा रहा था कि पदाधिकारियों के पी०ए०आर० अभिलेखन में अनावश्यक विलम्ब होता है, जिससे उनके प्रोन्नति इत्यादि कार्यों का ससमय निष्पादन नहीं हो पाता है।

2. उक्त परिप्रेक्ष्य में बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का ससमय कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन अभिलेखन हेतु विभागीय ज्ञापांक सं०-16389 दिनांक-14.12.18 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2018-19 के प्रभाव से कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन का अभिलेखन SPARROW (Smart Performance Appraisal Report Recording Online Window) System के अंतर्गत पी०ए०आर० ई-फाइलिंग की प्रक्रिया के तहत किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस हेतु यह भी आवश्यक है कि प्रतिवेदक, समीक्षी एवं स्वीकरण पदाधिकारी के नये सिरे से निर्धारण किया जाय, ताकि SPARROW System के तहत पी०ए०आर० अभिलेखन में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो।

3. SPARROW System के तहत बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का ससमय कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन आलेखन के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 के प्रभाव से नये सिरे से निम्नवत् प्रतिवेदक, समीक्षी एवं स्वीकरण पदाधिकारी निर्धारित किया जाता है :-

सचिवालय के विभागों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
आप्त सचिव, (बि0प्र0से0) (माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा/माननीय सभापति, बिहार विधान परिषद्/माननीय मंत्री/अन्य महानुभाव)	माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा/माननीय सभापति, बिहार विधान परिषद्/माननीय मंत्री/अन्य महानुभाव	माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा/माननीय सभापति, बिहार विधान परिषद्/माननीय मंत्री/अन्य महानुभाव	माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा/माननीय सभापति, बिहार विधान परिषद्/माननीय मंत्री/अन्य महानुभाव
विभाग में पदस्थापित (बि0प्र0से0)	विभागीय प्रधान सचिव/सचिव	विभागीय प्रधान सचिव/सचिव	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग
निदेशालय में निदेशक के अधीन पदस्थापित (बि0प्र0से0)	निदेशक	विभागीय प्रधान सचिव/सचिव	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग

विभागाध्यक्ष कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
सचिव (बि0प्र0से0)	विभागाध्यक्ष	प्रधान सचिव/सचिव/विभागाध्यक्ष	मुख्य सचिव, बिहार
प्रबंध निदेशक/निदेशक/निदेशक, प्रशासन (बि0प्र0से0)	विभागाध्यक्ष	प्रधान सचिव/सचिव/विभागाध्यक्ष	मुख्य सचिव, बिहार
अपर निदेशक/अपर निबंधक/संयुक्त निदेशक/संयुक्त परिवहन आयुक्त/संयुक्त श्रमायुक्त/विशेष दंडाधिकारी, निगरानी (मु0)/उप परिवहन आयुक्त (मु0)/उप निदेशक/सहायक निदेशक व समकक्ष स्तर, आदि	विभागाध्यक्ष	प्रधान सचिव/सचिव/विभागाध्यक्ष	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग

आयोग/निगम/उपक्रम/कम्पनी/क्षेत्रीय कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
सचिव (बि0प्र0से0)	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक (संबंधित आयोग/निगम/उपक्रम/कम्पनी)	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक (संबंधित आयोग/निगम/उपक्रम/कम्पनी)	विभागीय अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव
आयोग/निगम/उपक्रम/कम्पनी कार्यालयों में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी (बि0प्र0से0)	सचिव (भा0प्र0से0)/सदस्य सचिव/अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक (संबंधित आयोग/निगम/उपक्रम/कम्पनी)	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक (संबंधित आयोग/निगम/उपक्रम/कम्पनी)	विभागीय अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव

क्षेत्रीय कार्यालयों में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त बि०प्र०से० के अन्य पदाधिकारी (यथा—सचिव—कोशी कमाण्ड एरिया विकास प्राधिकार/महाप्रबंधक, बेल्ट्रॉन/बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम/व्यवस्थापक बेतिया राज/अपर नगर आयुक्त, नगर निगम व समकक्ष स्तर) आदि	नियंत्रि पदाधिकारी/विभागाध्यक्ष	विभागाध्यक्ष/प्रधान सचिव/सचिव	विभागीय अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव
--	---------------------------------	-------------------------------	------------------------------------

बिहार विकास मिशन/बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी/बिहार भवन, नई दिल्ली कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	3	4
मुख्य महाप्रबंधक (बि०प्र०से०) बिहार विकास मिशन	सदस्य—सचिव, बिहार विकास मिशन।	कैबिनेट सचिव	विकास आयुक्त
महाप्रबंधक (बि०प्र०से०) बिहार विकास मिशन	सदस्य—सचिव, बिहार विकास मिशन।	कैबिनेट सचिव	विकास आयुक्त
उप मिशन निदेशक/अपर निदेशक, बिहार विकास मिशन	मिशन निदेशक, बिहार विकास मिशन	सदस्य सचिव, बिहार विकास मिशन	अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव/कैबिनेट सचिव
बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी हेतु पदस्थापित/प्रतिनियुक्त अन्य पदाधिकारी (बि०प्र०से०)	अपर मिशन निदेशक, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी	मिशन निदेशक/अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग
विभागीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी	अपर मिशन निदेशक, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी	मिशन निदेशक/अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग
बिहार भवन, नई दिल्ली में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी (बि०प्र०से०)	स्थानिक आयुक्त, बिहार भवन, नई दिल्ली	प्रधान सचिव, मंत्रीमंडल सचिवालय, बिहार	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग

बिपार्ड/लोकायुक्त/राज्य निर्वाचन प्राधिकार/पुलिस महानिदेशक कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
बिपार्ड में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी (बि०प्र०से०)	संयुक्त निदेशक, बिपार्ड/महानिदेशक बिपार्ड (संयुक्त निदेशक बिपार्ड के पदस्थापित नहीं रहने की स्थिति में)	महानिदेशक, बिपार्ड	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।
लोकायुक्त कार्यालय में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी (बि०प्र०से०)	अध्यक्ष, लोकायुक्त	अध्यक्ष, लोकायुक्त	अध्यक्ष, लोकायुक्त
राज्य निर्वाचन प्राधिकार में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी (बि०प्र०से०)	मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी	मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।

प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
प्रमंडलीय आयुक्त कार्यालय में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त बि०प्र०से० के पदाधिकारी (यथा—आयुक्त के सचिव, संयुक्त सचिव, विभागीय जॉच, उप निदेशक, खाद्य/पंचायती राज/संयुक्त आयुक्त—सह—सचिव—क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार/क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी/संयुक्त निदेशक, चकबंदी व समकक्ष स्तर) आदि।	प्रमंडलीय आयुक्त	प्रधान सचिव/सचिव (संबंधित प्रशासी विभाग)	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।

जिला कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
जिला/अनुमंडल कार्यालय में पदस्थापित पदाधिकारी (बि०प्र०से०)	जिला पदाधिकारी	प्रमंडलीय आयुक्त	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।
जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी	प्रमंडलीय आयुक्त	मिशन निदेशक, बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाईटी	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।
अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी	जिला पदाधिकारी	प्रमंडलीय आयुक्त	मिशन निदेशक
जिला/अनुमंडल में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त बि०प्र०से० के पदाधिकारी, (यथा—जिला परिवहन पदाधिकारी/जिला—भू—अर्जन पदाधिकारी/नगर कार्यपालक पदाधिकारी/भू०सु०उ० समाहर्ता/जिला आपूर्ति पदाधिकारी व समकक्ष स्तर) आदि।	जिला पदाधिकारी	प्रधान सचिव/सचिव (संबंधित प्रशासी विभाग)	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।

भारत सरकार/भारत सरकार के उपक्रम/निगम/निकाय कार्यालयों में

पदाधिकारी का स्तर	प्रतिवेदक पदाधिकारी	समीक्षी पदाधिकारी	स्वीकरण पदाधिकारी
1	2	2	3
भारत सरकार/भारत सरकार के उपक्रम/निगम/निकाय/इत्यादि के कार्यालयों में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त पदाधिकारी, बि०प्र०से०	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक (संबंधित उपक्रम/निगम/निकाय आदि)	अध्यक्ष/प्रबंध निदेशक (संबंधित उपक्रम/निगम/निकाय आदि)	अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग।

4. SPARROW System के तहत वित्तीय वर्ष 2018-19 से बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का वार्षिक कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन के ससमय अभिलेखन हेतु प्रतिवेदित/प्रतिवेदक/ समीक्षी/स्वीकरण स्तर पर पी0ए0आर0 ई-फाइलिंग हेतु समय-सीमा निम्नरूपेण निर्धारित किया जाता है :-

(i). विभाग द्वारा बिहार प्रशासनिक सेवा के सभी पदाधिकारियों का **Basic Data** प्रतिवर्ष 15 अप्रैल तक प्रतिवेदित पदाधिकारी के **NIC** के द्वारा सृजित व्यक्तिगत **E-Mail Id** पर उपलब्ध करा दिया जायेगा।

(ii). प्रतिवेदित पदाधिकारी अपना स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन (**Self Appraisal Report**) **Online** अभिलेखित कर प्रति वर्ष 15 मई तक प्रतिवेदक पदाधिकारी को **Forward** कर देना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत संबंधित पदाधिकारी द्वारा स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन अभिलेखित कर **Forward** नहीं किये जाने की परिस्थिति में उक्त निर्धारित समय-सीमा के पश्चात विभाग द्वारा पदाधिकारी के **E-Mail Id** पर भेजे गये पी0ए0आर0 को अगले प्राधिकार के पास **Force Forward** कर दिया जायेगा।

(iii). प्रतिवेदित पदाधिकारी द्वारा **Forward** पी0ए0आर0 अथवा विभाग द्वारा **Force Forward** किये गये पी0ए0आर0, प्रतिवर्ष 16 मई तक संबंधित प्रतिवेदक पदाधिकारी के **NIC** के द्वारा सृजित व्यक्तिगत **E-Mail Id** पर उपलब्ध करा दिया जायेगा। प्रतिवेदक पदाधिकारी, प्रतिवेदित पदाधिकारी से प्राप्त अथवा **Force Forward** द्वारा उपलब्ध कराये गये पी0ए0आर0 पर अपना मंतव्य अभिलेखित कर प्रति वर्ष 30 जून तक समीक्षी पदाधिकारी को **Forward** कर देना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत प्रतिवेदक पदाधिकारी द्वारा पी0ए0आर0 अभिलेखित कर **Forward** नहीं किये जाने की परिस्थिति में उक्त निर्धारित समय-सीमा के पश्चात विभाग द्वारा प्रतिवेदक पदाधिकारी के **E-Mail Id** पर भेजे गये संबंधित पी0ए0आर0 को अगले प्राधिकार के पास **Force Forward** कर दिया जायेगा।

(iv). प्रतिवेदक पदाधिकारी द्वारा **Forward** पी0ए0आर0 अथवा विभाग द्वारा **Force Forward** किये गये पी0ए0आर0, प्रतिवर्ष 1 जुलाई तक संबंधित समीक्षी पदाधिकारी के **NIC** के द्वारा सृजित व्यक्तिगत **E-Mail Id** पर उपलब्ध करा दिया जायेगा। समीक्षी पदाधिकारी, प्रतिवेदक पदाधिकारी से प्राप्त अथवा **Force Forward** द्वारा उपलब्ध कराये गये पी0ए0आर0 पर अपना मंतव्य अभिलेखित कर प्रति वर्ष 30 अगस्त तक स्वीकरण पदाधिकारी को **Forward** कर देना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत समीक्षी पदाधिकारी द्वारा पी0ए0आर0 अभिलेखित कर **Forward** नहीं किये जाने की परिस्थिति में उक्त निर्धारित समय-सीमा के पश्चात विभाग द्वारा समीक्षी पदाधिकारी के **E-Mail Id** पर भेजे गये संबंधित पी0ए0आर0 को अगले प्राधिकार के पास **Force Forward** कर दिया जायेगा।

(v). समीक्षी पदाधिकारी द्वारा **Forward** पी0ए0आर0 अथवा विभाग द्वारा **Force Forward** किये गये पी0ए0आर0, प्रतिवर्ष 1 सितम्बर तक संबंधित स्वीकरण पदाधिकारी के **NIC** के द्वारा सृजित व्यक्तिगत **E-Mail Id** पर उपलब्ध करा दिया जायेगा। स्वीकरण पदाधिकारी, समीक्षी पदाधिकारी से प्राप्त अथवा **Force Forward** द्वारा उपलब्ध कराये गये पी0ए0आर0 पर अपना मंतव्य अभिलेखित कर प्रति वर्ष 15 अक्टूबर तक **PAR Custodian** को **Forward** कर देना सुनिश्चित करेंगे। निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत स्वीकरण पदाधिकारी द्वारा पी0ए0आर0 अभिलेखित कर **Forward** नहीं किये जाने की परिस्थिति में निर्धारित समय-सीमा के पश्चात विभाग द्वारा उक्त पी0ए0आर0, **PAR Custodian** को **Force Forward** कर दिया जायेगा।

(vi). विभाग द्वारा सभी प्राप्त पी0ए0आर0 को प्रति वर्ष 31 दिसम्बर तक संबंधित पदाधिकारी के **NIC** के द्वारा सृजित व्यक्तिगत **E-Mail Id** पर **Disclose** कर दिया जायेगा।

5. उपर्युक्त निर्धारित समय-सीमा के अन्तर्गत पी0ए0आर0 अभिलेखित नहीं किये जाने की स्थिति में विभाग में **Force Forward** द्वारा प्राप्त पी0ए0आर0 को निम्नरूपेण स्वीकृत मानते हुए संधारित कर दिया जायेगा :-

(i). प्रतिवेदित पदाधिकारी द्वारा ससमय पी0ए0आर0 अभिलेखित न किये जाने की परिस्थिति में प्रतिवेदक/समीक्षी/स्वीकरण प्राधिकार द्वारा अंकित मंतव्य को ही अंतिम रूप से स्वीकृत करते हुए संधारित कर दिया जायेगा।

(ii). प्रतिवेदित पदाधिकारी द्वारा ससमय पी0ए0आर0 अभिलेखित न किये जाने की स्थिति में यदि प्रतिवेदक/समीक्षी/स्वीकरण प्राधिकार द्वारा भी कोई मंतव्य अंकित नहीं किया जाता है तो उक्त परिस्थिति में **Force Forward** द्वारा प्राप्त पी0ए0आर0 को ग्रेडिंग/अभ्युक्ति "औसत" मानते हुए संधारित कर दिया जायेगा।

(iii). यदि प्रतिवेदित पदाधिकारी द्वारा ससमय पी0ए0आर0 अभिलेखित कर दिया जाता है। परन्तु प्रतिवेदक/समीक्षी/स्वीकरण प्राधिकार द्वारा भी कोई मंतव्य अंकित नहीं किया जाता है तो उक्त परिस्थिति में प्रतिवेदित पदाधिकारी द्वारा अभिलेखित स्वमूल्यांकन प्रतिवेदन को ही ग्रेडिंग/अभ्युक्ति "बहुत अच्छा" मानते हुए संधारित कर दिया जायेगा।

6. माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा/माननीय सभापति, बिहार विधान परिषद्/माननीय मंत्री के आप्त सचिव (बि0प्र0से0)/अन्य महानुभाव/अध्यक्ष, लोकायुक्त/बिहार लोक सेवा आयोग एवं भारत सरकार/भारत सरकार के उपक्रम/

निगम/निकाय इत्यादि में पदस्थापित/प्रतिनियुक्त बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का पी0ए0आर0 Offline अभिलेखित किया जायेगा।

7. बिहार प्रशासनिक सेवा के पदाधिकारियों का वार्षिक गोपनीय अभ्युक्ति/कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रतिवेदन के अभिलेखन के संबंध में कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (सामान्य प्रशासन विभाग) द्वारा पूर्व में निर्गत संकल्प/परिपत्र/अनुदेश तथा आदेश यथा-उपर्युक्त संशोधित समझा जाय।

आदेश – आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र में प्रकाशित किया जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम शंकर, संयुक्त सचिव।

सं0 08/आरोप-01-40/2016 सां0प्र0-8658

संकल्प

28 जून 2019

श्री सुनील कुमार रंजन, बि०प्र०से०, (कोटि क्रमांक-1120/2011) तत्कालीन अंचल अधिकारी, मोहनियाँ, कैमूर (भभुआ) सम्प्रति भूमि सुधार उप समाहर्ता, मढ़ौरा, सारण के विरुद्ध राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-1084, दिनांक 07.10.2016 द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर दाखिल खारिज वाद तथा लगान निर्धारण में सरकारी भूमि के विरुद्ध व्यक्ति विशेष के पक्ष में उनके मिली भगत से आदेश पारित करने, पदीय कर्तव्य का निर्वहन नहीं करने, स्वेच्छा एवं मनमानीपूर्वक कार्य करने, सरकारी भूमि के हित का ख्याल नहीं करने तथा सरकारी नियमों की अवहेलना करने का आरोप प्रतिवेदित किया गया, जैसा कि अनुलग्न आरोप पत्र में वर्णित है।

2. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार, पटना से प्राप्त आरोप के आलोक में विभागीय पत्रांक 15204 दिनांक 10.11.2016 द्वारा श्री रंजन से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्री रंजन ने अपना स्पष्टीकरण (पत्रांक 1506 दिनांक 06.12.2016) समर्पित किया। श्री रंजन के स्पष्टीकरण पर जिला पदाधिकारी, कैमूर, भभुआ से मंतव्य की मांग की गयी। जिला पदाधिकारी, कैमूर, भभुआ के पत्रांक 1280 दिनांक 12.10.2018 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ। जिसमें श्री रंजन द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं प्रतिवेदित किया गया।

3. फलतः प्राप्त आरोप पत्र, श्री रंजन से प्राप्त स्पष्टीकरण एवं जिला पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) से प्राप्त मंतव्य की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर की गयी, जिसमें पाया गया कि मामले की वृहद जाँच की आवश्यकता है।

2. अतः श्री रंजन के विरुद्ध अनुलग्न अनुबंध में अन्तर्विष्ट आरोपों की सांगोपांग जाँच, बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली-2005 के नियम-17(2) में विहित रीति से कराने का निर्णय लिया जाता है। इस विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु, संयुक्त आयुक्त, विभागीय जांच, पटना प्रमंडल, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है। उपस्थापन/प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ) द्वारा नामित कोई वरीय पदाधिकारी होंगे।

3. श्री रंजन से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु, जैसा कि संचालन पदाधिकारी अनुमति दें, उनके समक्ष स्वयं उपस्थित हो।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
शिवमहादेव प्रसाद, अवर सचिव।

सं0 08/अभि०-03-18/2014,सां0प्र०-7374

संकल्प

30 मई 2019

श्री वैधनाथ दास, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-392/08 को अपर नगर आयुक्त, पटना नगर निगम, पटना के पदस्थापन काल में पदाधिकारी/कर्मचारी के वेतन विसंगति निराकरण में अनियमितता, होडिंग आवंटन एवं शुल्क निर्धारण में अनियमितता, चिल्ड्रेन पार्क, गाँधी मैदान के रख रखाव व भवन निर्माण संबंधी नक्सा स्वीकृति में वित्तीय अनियमितता बरते जाने संबंधी आरोपों पर निगरानी विभाग (अन्वेषण ब्यूरो) बिहार, पटना द्वारा दर्ज निगरानी थाना कांड सं०-054/10 दिनांक 21.07.2010 में प्राथमिकी अभियुक्त बनाया गया। उक्त कांड के क्रम में विधि विभाग के आदेश सं०-6493 दिनांक 24.08.2011 द्वारा श्री दास के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृत है।

2. नगर आयुक्त, पटना नगर निगम, पटना द्वारा उपलब्ध कराये गये कागजात/अभिलेख के आधार पर विभागीय स्तर पर गठित एवं अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा अनुमोदित आरोप पत्र की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-4456 दिनांक 15.03.2013 द्वारा श्री दास से स्पष्टीकरण की माँग की गयी। इस क्रम में श्री दास का स्पष्टीकरण (दिनांक 05.04.2013) प्राप्त हुआ। सम्यक् विचारोपरांत मामले के वृहद जाँच की आवश्यकता पायी गयी तथा बिहार पेंशन नियमावली-1950 के नियम-43 (बी०) के तहत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-8526 दिनांक 30.05.2013 द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। विभागीय जाँच आयुक्त, बिहार, पटना को इस हेतु संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

3. कालान्तर में संचालन पदाधिकारी (यथा विभागीय जाँच आयुक्त) के पत्रांक-280 (अनु०) दिनांक 14.03.2018 द्वारा जाँच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ, जिसमें श्री दास के विरुद्ध गठित बहुधा आरोपों को प्रमाणित प्रतिवेदित किया गया। विभागीय पत्रांक-4525 दिनांक 05.04.2018 द्वारा उक्त जाँच प्रतिवेदन की छायाप्रति संलग्न करते हुए श्री दास से लिखित अभिकथन की मांग की गयी। श्री दास द्वारा समर्पित लिखित अभिकथन के रूप में विभागीय कार्यवाही के दौरान विभागीय जाँच आयुक्त के समक्ष दिये गये बचाव बयान की प्रति उपलब्ध कराते हुए कतिपय पारिवारिक कारणों का उल्लेख करते हुए दोष मुक्त करने का अनुरोध विभाग से किया गया। प्रमाणित आरोपों के बचाव में उनके द्वारा कोई तथ्य/साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। इस प्रकार श्री दास का लिखित अभिकथन/स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं पाया गया।

तत्पश्चात उक्त आरोपों की प्रमाणिकता के आलोक में अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर समीक्षोपरांत श्री दास के विरुद्ध पेंशन से 20 प्रतिशत की राशि 05 वर्षों तक कटौती करने का दंड विनिश्चित किया गया। विभागीय पत्रांक-16621 दिनांक 20.12.2018 द्वारा उक्त विनिश्चित दंड पर बिहार लोक सेवा आयोग से मंतव्य की मांग की गयी। इस क्रम में आयोग की पूर्णपीठ द्वारा उक्त विनिश्चित दंड पर सहमति प्रदान की गयी, जो बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-286 दिनांक 09.05.2019 द्वारा प्राप्त हुआ।

4. उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में बिहार पेंशन नियमावली-1950 के नियम-43 (बी०) में विहित प्रावधानों के तहत श्री वैधनाथ दास, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-392/08, तत्कालीन अपर नगर आयुक्त, पटना नगर निगम, पटना (सम्प्रति सेवानिवृत्त) के "पेंशन से 20 प्रतिशत की राशि 05 वर्षों तक कटौती करने का दंड" अधिरोपित एवं संसूचित किया जाता है।
आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय, अवर सचिव।

सं० 27/आरोप-01-05/2019 सा.-8461

संकल्प

25 जून 2019

श्री निरोज कुमार भगत, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-779/11 तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी, बेतिया सम्प्रति संयुक्त सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध अपने पदस्थापन काल (दिनांक 21.01.2016 से दिनांक 03.07.2017) में राजस्व क्षति का आरोप महालेखाकार, बिहार, पटना के पत्र सं०-MVT (Review)/17 एवं 18 दिनांक 04.05.2016 द्वारा उठायी गयी आपत्तियों से उजागर हुआ। जिला स्तर पर इस संबंध में बेतिया थाना कांड सं०-235/16 दिनांक 11.05.2016 दर्ज हुआ। इस क्रम में परिवहन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-1545 दिनांक 27.03.2017 से प्राप्त आरोप की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गयी। समीक्षोपरांत उक्त आरोपों की वृहद जांच हेतु विभागीय संकल्प ज्ञापांक-1013 दिनांक 19.01.2018 द्वारा श्री भगत के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी तथा विभागीय जांच आयुक्त, बिहार, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

2. संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जांच प्रतिवेदन में श्री भगत के विरुद्ध प्रतिवेदित सभी आरोपों को आंशिक रूप से प्रमाणित बताया गया। प्राप्त जांच प्रतिवेदन की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक 11467 दिनांक 27.08.2018 द्वारा श्री भगत से लिखित अभिकथन की मांग की गयी। श्री भगत का लिखित अभिकथन (दिनांक 10.09.2018) विभाग को प्राप्त हुआ।

3. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा प्रमाणित आरोपों से निहित संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जांच प्रतिवेदन एवं श्री भगत से प्राप्त स्पष्टीकरण की समीक्षा की गयी। सम्यक विचारोपरांत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-16000 दिनांक 06.12.2018 द्वारा श्री भगत को निन्दन तथा असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि पर रोक की लघु शास्तियां अधिरोपित की गईं।

4. उक्त शास्ति पर पुनर्विचार करने हेतु उनके द्वारा एक पुनर्विचार आवेदन (पत्रांक-72 दिनांक 08.01.2019) समर्पित किया गया, जिसमें उनके द्वारा आरोपवार स्थिति स्पष्ट करते हुए उन्होंने अपने उपर लगाये गये सभी आरोपों से इंकार करते हुए दंडादेश को निरस्त करने का अनुरोध किया गया है।

5. संचालन पदाधिकारी के जांच प्रतिवेदन, श्री भगत से प्राप्त पुनर्विचार आवेदन तथा उपलब्ध अभिलेखों की अनुशासनिक प्राधिकार के स्तर पर समीक्षा के क्रम में यह स्पष्ट हुआ कि उनके द्वारा पुनर्विलोकन अर्जी में जिन तथ्यों का उल्लेख किया गया है, उसका उल्लेख उनके द्वारा पूर्व में भी अपने लिखित अभिकथन में किया गया था। साथ ही उनके द्वारा किसी नये तथ्यों का उल्लेख नहीं किया गया न ही किसी प्रकार का कोई ऐसा तथ्य/साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है जो विचारणीय हो।

अतएव उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के आलोक में सम्यक विचारोपरांत श्री निरोज कुमार भगत, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-779/11 तत्कालीन जिला परिवहन पदाधिकारी, बेतिया सम्प्रति संयुक्त सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पुनर्विचार आवेदनों को अस्वीकृत करते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक-16000 दिनांक 07.12.2018 द्वारा अधिरोपित दंड यथा निन्दन तथा असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि पर रोक की शास्ति को यथावत रखा जाता है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय, अवर सचिव।

सं० 27/आरोप-01-11/2019 सा०प्र०-8040

संकल्प

14 जून 2019

श्रीमती कुमारी पुनीता श्रीवास्तव, बि०प्र०से०, को०क्र०-326/11 तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता, बक्सर के विरुद्ध सरकारी दस्तावेजों की अनदेखी कर बिहार सरकार की भूमि को रैयती भूमि दर्शाते हुए दाखिल खारिज अपीलवाद को स्वीकृत करने में अनियमितता बरतने संबंधी आरोपों के लिए जिला पदाधिकारी, बक्सर के पत्रांक-031860 दिनांक 30.09.2011 द्वारा आरोप, प्रपत्र-‘क’ प्राप्त हुआ।

2. उक्त आरोप, प्रपत्र-‘क’ के आधार पर विभागीय स्तर पर गठित एवं अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा अनुमोदित आरोप, प्रपत्र-‘क’ की प्रति के साथ विभागीय पत्रांक-14154 दिनांक 15.10.2014 द्वारा श्रीमती श्रीवास्तव से स्पष्टीकरण की मांग की गयी। श्रीमती श्रीवास्तव से प्राप्त स्पष्टीकरण (दिनांक 03.11.2014) की प्रति संलग्न करते हुए विभागीय पत्रांक-16516 दिनांक 01.12.2014 द्वारा जिला पदाधिकारी, बक्सर से मंतव्य की मांग की गयी। जिला पदाधिकारी, बक्सर के पत्रांक 01-0011 दिनांक 27.05.2015 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ। उक्त मंतव्य में कई आरोपों के परिपेक्ष्य में श्रीमती श्रीवास्तव के स्पष्टीकरण को स्वीकार योग्य नहीं बताया गया। समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प ज्ञापांक-8084 दिनांक 05.06.2015 द्वारा श्रीमती श्रीवास्तव के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी। जिसमें आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

3. आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना के कार्यालय आदेश संख्या 832/स्था० दिनांक 15.06.2015 से इस विभागीय कार्यवाही के संचालन हेतु संयुक्त आयुक्त, विभागीय जांच, पटना प्रमंडल, पटना को हस्तान्तरित कर दिया गया।

4. संयुक्त आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना के पत्रांक-35 दिनांक 11.01.2016 द्वारा श्रीमती श्रीवास्तव के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही का जांच प्रतिवेदन प्राप्त हुआ। संचालन पदाधिकारी द्वारा आरोपों को अप्रमाणित बताया गया।

5. विभागीय पत्रांक-2964 दिनांक 26.02.2016 द्वारा प्राप्त जांच प्रतिवेदन पर अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा असहमति जताने के फलस्वरूप श्रीमती श्रीवास्तव से लिखित अभिकथन की मांग की गयी। श्रीमती श्रीवास्तव का लिखित अभिकथन (दिनांक 10.03.2016) प्राप्त हुआ। उनके द्वारा लिखित अभिकथन में उन्हीं तथ्यों का उल्लेख किया गया जो उनके द्वारा पूर्व में समर्पित स्पष्टीकरण में किया गया था। श्रीमती श्रीवास्तव से प्राप्त लिखित अभिकथन (दिनांक 10.03.2016) पर विभागीय पत्रांक 5751 दिनांक 07.05.2018 द्वारा आयुक्त पटना प्रमंडल, पटना से मंतव्य की मांग की गयी। आयुक्त कार्यालय, पटना प्रमंडल, पटना का पत्रांक-1186 दिनांक 30.07.2018 द्वारा आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना का मंतव्य प्राप्त हुआ। प्राप्त मंतव्य में सरकारी दस्तावेजों की अनदेखी कर बिहार सरकार की भूमि को रैयती भूमि मानते हुए दाखिल-खारिज अपीलवाद को स्वीकृत किया जाना नियमानुकूल/विधि-सम्मत नहीं प्रतिवेदित किया गया।

6. आयुक्त, पटना प्रमंडल, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, श्रीमती श्रीवास्तव द्वारा समर्पित लिखित अभिकथन की समीक्षा अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा की गयी। समीक्षोपरांत प्रमाणित आरोपों के लिए श्रीमती श्रीवास्तव को निम्न दंड अधिरोपित की गयी:—(क) प्रोन्नति पर स्थायी रोक (ख) संचयी प्रभाव से कालमान वेतन में एक प्रक्रम पर अवनति।

7. अनुशासनिक प्राधिकार द्वारा उक्त विनिश्चित दंड पर बिहार लोक सेवा आयोग से विभागीय पत्रांक-12763 दिनांक 24.09.2018 द्वारा मंतव्य की मांग की गयी। बिहार लोक सेवा आयोग के पत्रांक-2877 दिनांक 28.01.2019 द्वारा मंतव्य प्राप्त हुआ।

8. लोक सेवा आयोग से प्राप्त मंतव्य, श्रीमती श्रीवास्तव से प्राप्त लिखित अभिकथन एवं आयुक्त पटना प्रमंडल, पटना से प्राप्त मंतव्य के समीक्षोपरांत श्रीमती कुमारी पुनीता श्रीवास्तव, बि०प्र०से०, कोटि क्रमांक-326/2011 तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता, बक्सर को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के संगत प्रावधानों के तहत निम्न दंड अधिरोपित/संसूचित किया जाता है:— (क) प्रोन्नति पर स्थायी रोक (ख) संचयी प्रभाव से कालमान वेतन में एक प्रक्रम पर अवनति।

आदेश:—आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति सभी संबंधित को भेज दी जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,
राम बिशुन राय, अवर सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट, 17-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>